



मराचलगु दकथननरुसवाधिवद ॥ सवकधगनयूनया लघ
 नयाम गयापननुशदशवासदिरि नयति यदिक कमल कलिसवगिरामल
 ॥ ॥ कुसुमउदकमकतामोनक मिलकुलि सनैसमयायायवद ॥ मनामव
 वलदादायुनसलक दस वलमनियति ताधुतं ॥ ॥ नमामि श्रीवक्र
 मलगु लवा कदधलिय ॥ सनगुल वलनकमल पसाद अनुतल बाधिवद ॥

2839

॥ १ ॥ गगनात ॥ वासाददिनि उदयि चलनी ॥ मायावि गायिमहा
 सख जायिया ॥ ॥ मयनमयन विरु विगता ॥ काय वाक विलुक्क
 लिया ॥ ॥ अकध वयि आहूनायिया ॥ आवयित वा निर्ग धधनि ॥
 ॥ या जयि वगुल पाययुसाद ॥ रुनयि वा वरुस यम माधि ॥ ॥ २ ॥
 गनलित ॥ सादसराय नकल नीनकिय सिल वासनाधि ना लनागस उदना ॥

वागदादि ॥ २ ॥

वस्य कनान कृदिं च विनु कृदि च ॥ ॥ ज्ञानादिय क मरु स रना मा नित्यं नु गी
न व स कल स्य न ॥ ॥ सा व क मरु यानं सि क्त न हि सा ह्यं १ मा या व पि च
ल अथ न ना व हिं लि च न व ध गु न सं ॥ ॥ क नी ला द रि ह स्व यं ॥ ॥ व द नि
ज या य वि मृ ण न न व द १ व द्वा वि ता य न य वि य लि न न ना सं ग ना न न द्र द्र
द्र ॥ ॥ ॥ ना ग मा ल ॥ नि रं र १ ७ व ध द ल १ या य १ सि र न ग म न १ आ गी

ययि स ॥ ॥ आ न द्रा दि द वा रु नि आ न द्रा दि द वा १ य ह्नि ना च यि द
ल १ म न सं द र ॥ ॥ य क सि न दि र ल नी रं क ल द ल १ १ स र्व पि ज द्रा
यो षा यि सं ना व ॥ ॥ जी षा दि या ल आ ल यि चं णु पि १ गी न ज न का की
न १ यि वा रं ॥ ॥ आ लि का पि द यि वा दं ध ल १ १ १ व ड आ गि नि र्म ग ल गि
न ॥ ॥ य यि स १ १ वि नि ज द्रा य सं रा य शि र्द नि क म ल क पि वा रं १ ॥

२०३१३१

सामयिजिजिनरदा स्या ॥ ॥ कंधा धात्री रूडोया लविरवयस र्वमका २
समुदगलंजिजिनप्रकृषनका ॥ ॥ ववनदयिरुदियादूधधिलवीया २
कलियवजानलदरुदिरुदाद ॥ ॥ **गगलैलवि** ॥ राखजखगमखवज
चिरुलधयादयावलितुमिल २ कनागा न मुदुलसमगुन वज, भानुदियकम
ल ॥ ॥ धिरुल वगुलं रुदयाकमलधियवकलं २ मिधिसिद्धिकर्मविद्यवि

नाभिमहापोलमहामूदासिधिल ॥ ॥ आदिदूधदियलधुधलमैलुजाविना
सयिषदालवकननीयनिलवधुसुजिजिनीमनमरुजाययलिनरुल ॥ ॥
प्रसादिलदरुदिरुलसिदूधयजुनगनाडधालनं २ सयलवदुजिनं रयक क
नयियानिजैरुवोदययनिलमल ॥ ॥ गुपूडयदमसिमयीवगनमाकुल
लचिरुविरुंगल २ सगगुलवजनिलगनधालियाएनयिसूनवजननाल ॥

११८९

२३ गमसा २८

ॐ ॥ राग रेवति ॥ वंद गमसा नसि रस व झा वास कि नागमगजिन मया २
गहालसमान असाक व झा घुनि न मया नरु क नाग ॥ ॥ दुजमत्रनज
इसरन वक्रि वाय या इ सुदिगी विगी दी वलि क वि श अ स म सान रु नि स वि र
मल ना वयि सुदरु न द ॥ ॥ क क नि धा या वीदि न म या हा ला क ना क का
न क ना गा १ क ली क रेल वा व लि न म या सु ल सि र ना ग म वृ न क व झा ॥ ॥
य यस्प ज्ञान दया सिंघो २ यस्प ज्ञान दया सिंघो

२३ गमसा २८

अनु टला साजी खयाल नागम वृ च द रं म या व न म दि ना १ ल सि वा ना क ल र व
झ घुनि न म या म दाय मा ॥ ॥ ग हा य स म सान यु का नि व रु ना ग म ने व
ल द या १ कि रि कि रि ना वा अ न व झा कु लि क ना ग म व र ख न म या ॥ ॥
दा द स र जा दा द स र व ना व नु व द ना दा द स न य ना १ र न यि क रू पा ला र व र
स ल ना का रि ना नि लि य या य यि व द ना ॥ ॐ ॥ राग रेवति ॥ ध मा ग म लि व

॥ ककुवा गहनूव रुद्र गिरिहारा ॥

॥ इत्यत्र ननु तद्वदमहत्त्वं सूक्तं ॥ इति ॥

इष्टार नोपार न पांथि । च किं कृद न कथिना

॥ पुरस। स हृष्यश्च मातृकाया उग

॥ पुरस। स हृष्यश्च मातृकाया उग

सकलेश्वरसंग

नाथसिंहिलचलनाम ॥ वज्रकलागकसाधिध्वजियाकलकियाउखदा
 कश्चिपुनत्रागिनिकमजीविदासिगनमदासखम्यनोपसाग ॥ वज्रवा
 यादीआसिगनसंभवमंदासखम्यनोपसाग ॥ वज्रवा
 याकिर्दनिहलगाजधरागरुवनपसाग ॥ सदसंकेदनिलयोयागागनि
 कनूयापजीहवगववनपसागमयसुआसिगनदरिहलगाविनासयिमुः

युक्तलना ॥ ॥ ॥ यागअधहेतवि ॥ निदयद्वैगुरुमदयमदासखक यश्च
 विबीयासिनननाहूनचक्र ॥ विजयिचमदालसंगमकदरुयश्चाग
 भाइमार्गसखउधायनार्थ ॥ वज्रवासादिआविगनगंगयश्चिह्नवनद
 वास्यनलदवि ॥ यज्ञायज्ञगुरुहिकेश्वजनलकियाश्चनयिकलदन
 आचार्यवलिवा ॥ ॥ यागकनाद ॥ गिरुवज्रनेनानमानिहवननाथ ॥

२०
 २०
 २०

श्रयं वशिष्ठं न चापि त्वं च वत्स ददा ॥

॥ नमामि श्रद्धी यस्मिन् गच्छेत् ॥ १५ ॥

श्रीगुरुस्त्वत्तु वत्स श्रद्धागिनि सुनयना ॥

॥ श्रद्धागिनि त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु ॥ १६ ॥

या श्रद्धागिनि त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु ॥

॥ यस्मिन् श्रद्धागिनि त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु ॥ १७ ॥

वत्स त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु ॥

॥ श्रद्धागिनि त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु ॥ १८ ॥

ता कपीश्वरव्यदूषयसीदो जनि ॥

॥ नमः नमः नमः नमः नमः नमः ॥ १९ ॥

माला निलवा लू व श्रद्धागिनि त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु ॥

॥ श्रद्धागिनि त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु ॥ २० ॥

॥ श्रद्धागिनि त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु ॥ २१ ॥

॥ श्रद्धागिनि त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु त्वत्तु ॥ २२ ॥

लनसमदनिज्ञा नाकपसमाकमोला ॥ ॥ जयन्तु जवलज नगमू यूनितवः
 जयासफल धालि १ जगननाथ जगनयालिन मरुकाधनाया ॥ ॥ जववि
 निदिन वामक्री शानू धालवदननि निला वाना १ के कप नाइ सरुवरुयक जव
 रिसनवि नदना ॥ ॥ वद्वदलि रुजमघमास दयदप नसु विना १ द
 पुनियदिन ध पसद्र किन नावि गदना ॥ ॥ विवीधि पल जारन

[illegible]

॥ ॥ प्रह्लादसंपन्नं यं श्रीं त्रिं नो धीं नो आति कालि युदा काना अति सुदरा ॥ ॥
 दस द्याव उक्ता वा नमामि श्रीं चक्र संख याया ॥ ॥ सत गुल्ल वल नभिल
 ध्यायात् न सयिगिन श्री कलित ॥ ॥ दानयनिल म ना दखं सद्य मर्तु लज्जालां
 धिग ॥ ॥ ॥ नागनादि ॥ ॥ कनायि र्नाथया वा जा न्मनिल कनका ॥ ॥ घन कयिथी
 लामि व शायिक न चक्रिया यिन या या ॥ ॥ मलय र्जं कृद्ग वरु यिठि ठि मान

२ को गोपि न २२

दिन वशायि ॥ ॥ नदिरा नूखा नन गम थ मय नायि शायि न वरु यि ॥ ॥ दा
 ल कालि न नवन यायिल दू दू न वरु न यायि ॥ ॥ ॥ उरु मा के नु लिलि द्वा
 सक यल या वेर्नु यायि ॥ ॥ मलय र्ज न सायि नदिरा नूखा नन सालि ॥ ॥ ॥ वरु
 नरु न क र्जं न सुधा सुधन म नयि ॥ ॥ नि र्म सुख ग वंदा वयि नदिरा नूखा व नम
 नायि ॥ ॥ ॥ नाग र्ज वम ॥ ॥ अलिन वशा नल प्रवि सति क्विचि न दा वयी

अलिन वशा नम